सत्रीय कार्य

(Assignment)

इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(Post Graduate Diploma in Electronic Media Management & Film Production)

(PGDEM & FP)

2015-2016

›

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

निदेशक
दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट-हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा -442005 (महाराष्ट्र)
फोन/फैक्स नं. 07152-247146 वेबसाइट www.hindivishwa.org

›

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 03 के अंतर्गत स्थापित)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,Wardha

(Established by Parliament by Act No. 03 of 1997)

दूर शिक्षा निदेशालय

संदीप मधुकर सपकाले

सहायक प्रोफेसर

दूरभाष/ Phone: 07152-247146

फैक्स/ Fax: 07152-247146

ई-मेल- smsapkale@gmail.com

इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

सत्रीय कार्य लेखन एवं परियोजना कार्य दिशा निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्क्रम का उदेद्श्य इलेक्ट्रनिक मीडिया प्रबंधन का विस्तृत एवं गहन अध्ययन कराना है । जनसंचार माध्यमो के सबंध मे शोध प्रशिक्षण एवं सतत अध्ययन को गति देना मीडिया के विभिन्न क्षेत्र में विशेष रूचि के अनुसार दक्षता पर जोर देना प्रमुख उद्देश्य है। विद्यार्थी को इलेक्ट्रोनिक मीडिया हाउस और फिल्म प्रोडक्सन हाउस की विभिन्न संस्थाओ में कार्य करने हेतु आवश्यक कौशल उपलब्ध करानें पर जोर दिया गया है। यह पाठ्यक्रम कुल 32 क्रेडिट का है । आपको प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए सत्रीय कार्य लेखन करना हैं। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर भेजी गई अध्ययन सामग्री के आधार पर देना है। कहीं-कहीं आपको अतिरिक्त पाठ्यसामग्री की सहायता लेनी पड़ सकती है। आप चाहें तो पाठ्यक्रम संयोजक की सहायता पत्राचार, ई-मेल, दूरभाष माध्यम से ले सकते हैं। सत्रीय कार्य शुरू करने से पूर्व आप निम्नानुसार दी गयी बातों का ध्यान रखिए। यह आपके लिए उपयोगी होगा |

योजना - सत्रीय कार्यो को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इनसे संबद्ध इकाइयों का दोबारा अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए प्रमुख मुद्दों को एक कागज पर नोट कीजिए। उसके बाद उन्हें क्रम दीजिए।

संगठन - अपने उत्तर की मोटी रूपरेखा बनाने से पहले अपना ध्यान कुछ मुद्दों पर केंद्रित कीजिए। और उनका विश्लेषण कीजिए। प्रस्तावना और सारांश पर विशेष ध्यान दीजिए।

- वे तर्क संगत और प्रवाहपूर्ण होने चाहिए,
- वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति सटीक हो।

प्रस्तुति - अपने उत्तर से संतुष्ट होने पर इसका अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए। उत्तर साफ A-4 कागज पर लिखिए और जिन मुद्दो पर बल देना चाहते है उन्हें रेखांकित कीजिए। सत्रीय कार्य की एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्य रूप से रखें।

लघु शोध निबंध - परियोजना कार्य करने के लिए प्रश्न पत्र पांच के दिशा निर्देश परिशिष्ठ -01 में देखें ।

निर्देश : प्रिय विद्यार्थी सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए | अपनी सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक, पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या अवश्य दीजिए | उत्तर-पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा।

नामांकन संख्या : ……………………………………………………………………………………………………

नाम : ……

पता :

……

……

……

पाठ्यक्रम का शीर्षक /कोड : …………………………………………………………………………………………

सत्रीय कार्य कोड (प्रश्नपत्र के अनुसार): ……………………………………………………………………………

दिनांक : ……………………………………

उत्तर के लिए केवल A-4 साइज के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बांध लें। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें। अपनी लिखावट में ही उत्तर दें। सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य निर्धारित पते पर प्राप्ति की तिथि **- 12/04/2016** तक प्राप्त होगा इस हेतु अवश्य भेंज दें । सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिकाएँ और परियोजना कार्य जाँच के लिए निम्नलिखित पते पर प्रेषित करें |

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा -442005 (महाराष्ट्र)
फोन/फैक्स नं. 07152-247146 वेबसाइट www.hindivishwa.org

प्रश्न पत्र - एक

मीडिया : अवधारणा एवं सिद्धान्त

PGDEM&FP-01

कुल अंक - 30

नोट - प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

खंड - अ

Section - A

अधिकतम अंक - 18
Maximum Marks - 18

दीर्घ उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1.जनसंचार के प्रमुख माध्यमों की व्याख्या करते हुए जनसंचार किस प्रकार ग्रामीण विकास में सहायक है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. रेडियो के विकास की चर्चा करते हुए वर्तमान समय में इसके महत्व और बदलाव पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. संचार को परिभाषित करते हुए इसके प्रमुख प्रकारों की विवेचना कीजिए।

खण्ड - ब

Section - B

अधिकतम अंक - 8
Maximum Marks - 8

मध्यम उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1. प्रसारण शब्दावली क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2. अनुवाद समस्या को किस प्रकार सुलझाया जा सकता है ? चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3. टीवी लेखन की विशेषताएँ और प्रकार बताएँ।

प्रश्न 4. समाचार पत्रों के कर्तव्यों का वर्णन करते हुए इसके स्वामित्व पर प्रकाश डालें

खण्ड - क

Section - C

अधिकतम अंक - 4
Maximum Marks - 4

लघु उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1. नई सूचना प्रोद्योगिकी

प्रश्न 2. ब्राडकास्ट चेन

प्रश्न पत्र - दो

फिल्म : परिचय, सिद्धांत एवं इतिहास

PGDEM&FP-02

कुल अंक - 30

नोट - प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लधु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लधु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

खण्ड -अ

Section - A

अधिकतम अंक - 18
Maximum Marks - 18

दीर्घ उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1. फिल्म समीक्षा के विविध पहलूओं पर चर्चा करते हुए व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 2. फिल्म पत्रकारिता से आप क्या समझते है ? स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3. सन् 2015 में आपके द्वारा देखी गई किसी फिल्म पर अपने शब्दों में समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड - ब

Section - B

अधिकतम अंक - 8
Maximum Marks - 8

मध्यम उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1. कार्यक्रम निमार्ण के लिए यूनिट का गठन कैसे किया जाता है ?

प्रश्न 2. साहित्य के प्रयोजन में सिनेमा की सार्थकता पर चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3. 'सत्यजित रे का सिनेमा' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए|

प्रश्न 4. स्वतंत्र भारत में हिंदी सिनेमा के परिदृश्य का वर्णन कीजिए|

खण्ड - क

Section - C

अधिकतम अंक - 4
Maximum Marks - 4

लघु उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1. केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC)

प्रश्न 2. समानांतर सिनेमा

प्रश्न पत्र - तीन

फिल्म : प्रोडक्शन

PGDEM&FP-03

कुल अंक - 30

नोट - प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

खण्ड -अ

Section - A

अधिकतम अंक - 18
Maximum Marks - 18

दीर्घ उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1. प्री प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन के अलोक में फिल्म निर्माण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए|

प्रश्न 2. स्टोरी बोर्ड कैसे बनाया जाता है ? किसी कहानी अथवा पटकथा की स्टोरी बोर्ड आउट लाइन तैयार कीजिए।

प्रश्न 3. संवाद लेखन की प्रक्रिया का वर्णन करते हु ए फिल्म में संवाद के महत्त्व पर चर्चा कीजिए|

खण्ड - ब

Section - B

अधिकतम अंक - 8
Maximum Marks - 8

मध्यम उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1. सेट निर्माण में कटआउट पद्धति का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 2. संगीत निर्देशक, कम्पोजर और ऐरेन्जर के कार्यों का विभाजन कीजिए ।

प्रश्न 3. संपादक (Video Editor) की भूमिका को रेखांकित कीजिए |

प्रश्न 4. आंगिक अभिनय किसे कहते है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - क

Section - C

लघु उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक - 4
Maximum Marks - 4

प्रश्न 1. धारावाहिक (डेली सोप)

प्रश्न 2. पार्श्व संगीत

प्रश्न पत्र - चार

फिल्म : प्रबंधन

PGDEM&FP-04

कुल अंक - 30

नोट - प्रत्येक सत्रीय कार्य को तीन भागों में बाँटा गया है। जिसमें दीर्घ, मध्यम और लघु उत्तरों की अपेक्षा है। दीर्घ उत्तर 800 से 1000 शब्दों के बीच होने चाहिए। मध्यम श्रेणी के उत्तर 300 से 500 शब्दों तक होने चाहिए। लघु श्रेणी के उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

खण्ड- अ

Section - A

दीर्घ उत्तरी प्रश्न

अधिकतम अंक - 18
Maximum Marks - 18

प्रश्न 1. फिल्म निर्माण मे वित्तीय प्रबंध एवं निर्माता के महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।

प्रश्न 2. इलेक्ट्रानिक संपादन के उद्देश्य बताते हुए संपादन की समग्र रणनीति पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. भारत में फिल्मों से संबंधित संगठनों की जानकारी देते हुए संगठन के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए

खण्ड - ब

Section - B

मध्यम उत्तर प्रश्न

अधिकतम अंक - 8
Maximum Marks - 8

प्रश्न 1. पात्र परिचय का अर्थ बताइए ।

प्रश्न 2. पटकथा के आधारभूत तत्व कौन से है ? वर्णन कीजिए।

प्रश्न 3. लैब की रासायनिक प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 4. फिल्म संपादन की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए|

खण्ड - क

Section - C

लघु उत्तर प्रश्न

प्रश्न 1. एनीमेशन

प्रश्न 2. रियलिटी शो

अधिकतम अंक - 4
Maximum Marks - 4

प्रश्न पत्र - पाँच **परिशिष्ठ - 01**

परियोजना कार्य

PGDEM&FP-05

कुल अंक - 100

प्रिय विद्यार्थी,

परियोजना कार्य प्रश्नपत्र- पाँच, पीजीडीईएम एण्ड एफपी-05 / परियोजना कार्य से जुड़ा है और इस पाठ्यक्रम के 08 क्रेडित हैं। लघुशोध परियोजना बनाने के लिए विद्यार्थी को इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पर आधारित परियेजना कार्य करना होगा। विद्यार्थी को एक उपयुक्त शोध समस्या चुन कर उस पर मूल शोध कार्य करना होता है। शोध कार्य के अंतिम परिणाम के रूप में लघुशोध परियोजना प्रस्तुत किया जाएगा।इसकी दो प्रतिलिपियाँ तैयार की जाएंगी। लघुशोध परियोजना की एक प्रतिलिपि विद्यार्थी को निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, वर्धा को जमा करवानी होगी और दूसरी प्रतिलिपि विद्यार्थी को अपने पास रखनी होती है। लघुशोध परियोजना के सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थीको 08 क्रेडिट प्राप्त हो जाते है। यह परियोजना कार्य इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह एक ऐसा तरीका है जिसके माध्यम से आपको मीडिया मैनेजमेंट एवं फिल्म प्रोडक्शन के संबंध में व्यवस्थित रूप से नई जानकारी प्राप्त होती है। यह नए तथ्य एकत्र करने, उनकी तालिका बनाने, विश्लेषण करने और उपलब्धियों पर विचार-विमर्श करने की व्यवस्थित पद्धति है । परियोजना कार्य के अन्त में आपको परियोजना रिपोर्ट लिखनी लिखनी होती है।

परियोजना कार्य हेतु दिशा निर्देश- किसी भी शोध कार्य के लिए पहला चरण] विषय का चयन होता है।ह मारी सलाह है कि आप ऐसा विषय चुनिए जिनके अपेक्षित संसाधन आपको उपलब्ध हों। शीर्षक चुनने का एक तरीका यह होगा कि आप इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की पाठ्यक्रम सामग्री में दी हुई विभिन्न इकाइयों का अध्ययन करें। ये इकाइयां आपको विस्तृत विकल्प प्रदान करेंगी] जिसके आधार पर आप इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन से संबंधित किसी भी पहलू का अध्ययन कर सकते हैं। ऐसा विषय चुनिए जो आपकी रूचि का हो] अति महत्वकांक्षी नहीं हों। आप विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त अध्ययन केंद्रों पर जाकर (आपके क्षेत्र में स्थित) परियोजना सुपरवाइजर से विषयानुरूप आवश्यक तकनीकी जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते है। अंतिम चरण में आपको आवयश्क शोध विषय के सम्बन्ध में एकत्र की गयी जानकारी एवं संदर्भ को विश्लेषण विवेचन कर परियोजना कार्य को लिखित रूप में सम्पन्न कर आवश्यक निष्कर्ष तक पहुँचना है।

लघुशोध परियोजना भेजना- आपको ए-4 आकार के कागज़ में डबल स्पेस के साथ अधिकतम 50 पृष्ठों में टाइप लघुशोध निबंध परियोजना कार्य अच्छी प्रकार जिल्द में बांधकर, (स्पाईरल या बाईडिंग कर) भेजना होगा। आप लघुशोध परियोजना के विषय में एक भाग के रूप में इस आशय का एक घोषणा पर प्रस्तुत करें कि किया गया कार्य मूल कार्य है और किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए किसी भी विश्वविद्यालय या अन्य संस्था को पहले प्रस्तुत नहीं किया गया है घोषणा पत्र की नमूना प्रति परिशिष्ट -02 में दी गई है। लघुशोध परियोजना में विघार्थी की नामाकंन संख्या कार्यक्रम सत्र, नाम और पता अवश्य होना चाहिए । आपको लघुशोध निबंध परियोजना कार्य प्रस्ताव की एक प्रति रखनी चाहिए । विश्वविद्यालय को भेजा गया परियोजना कार्य विद्यार्थी को लौटाया नहीं जायेगा । यदि ऊपर बताएँ गए निर्देशों के बिना परियोजना कार्य प्राप्त होगा तो विद्यार्थी को कमी पूरी करने के लिए कहा जायेगा ।रियोजना कार्य की टाईप की हुई और जिल्द बंधी (स्पाईरल या बाइंडिंग) हुई प्रति निम्नलिखित पते पर रजिस्टर्ड डाक से भेजी जाए। परियोजना कार्य भेजने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2013 है ।

(संदीप मधुकर सपकाले)

परिशिष्ठ - 02

घोषणा

मैं एतद् द्वारा यह घोषणा करती / करता हूँ कि मेरे द्वारा दूर शिक्षा निदेशालय को भेजा गया परियोजना कार्य जिसका शीर्षक

..

.... है इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम एण्ड एफपी) का आशिंक भाग है और यह मेरा स्वयं का मूल कार्य है और किसी अन्य अध्ययन कार्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए न तो दूर शिक्षा निदेशालय और न ही किसी अन्य संस्था को भेजा गया है।

हस्ताक्षर

विद्यार्थी की नामांकन संख्या

नाम और पता

स्थान

तारीख